

ॐ गम गथाः ॐ वज्र क वा त्रिं द द्वि द ॐ

रुत ॥ ॐ नमो ॥ श्री वज्रसूत्राय ॥ साधु कि ना विप्रि

रु का ध वि हा का म मा ह ॥ वी वा ला ला न क वि प्रिः स ध न
द य सा ना व न य ॥ रु व सः क न सः द वा ला सः ख व स
क ना लाः दू वा ला सः धा ना स न शो यः व लि ॥ नि रा ज न ॥

ॐ का व का ॥ नि वा न ॥ म ना ह ॥ ना वाः स ग न ॥ ना य

श्री गणेशाय नमः

2644

५
श्री नमः ॥ सताया नमः ॥ गलाय कं नय ॥ ॐ शिवा वाह हठाव ॥
यकाहि नुकीनः मूल यज्ज रुद्रिल ॥ जनक ॥ नका ॥ नका ॥ नकि
निन ॥ आसु कल ॥ आनका ॥ कप्रसः दुला आखः सससः जनक ॥
लखयथ सवधः आह नयधः शय ज व ख न स वाकम
नाय नाशय ॥ निवधः नासय द्याय नाः सुसि कयायः सु
सि कयाद व नयः वलि वि नशायः सुसि कयायः वाकाव
लि वि नः धुलिः लासु यथ सधु लि शाय कल सः दु न ला स
पावन पदु या ठ न सि च के ॥ ॐ श्री शमि न वि व न सुद्र

क कल सपु जसु यनः रुद्रि वायाय ॥ क प्रय नाः निव
रुद्रि ना न ॥ जग सु प्रसं न नी गु न व रु ख रु वी दम क
ह ॥ नकि निन गानक ॥ ॐ शिवा वा वलि न या व वलि वा
न स नय ॥ निती ज नः ॥ ॐ श्री ४ श्री शव मन पु नि व सु ला
ॐ काव कानः गय के ॥ ॐ श्री ४ व रु य रु सर्व पा व वि रु मा
गान रु मि कू व ह रु रु सु लाः क रु म ना ॥ ॐ श्री ४ व रु
न है स वी व रु न म गान य न थ ह रु रु सु ला ॥ राम द ।

ॐ श्र ४ वं जसटी सर्व पूर्ण नमः फाला नृपे कयद्वं
 दृष्टा ॥ ॥ ॐ श्र ४ वं जक मी सर्व कु गायक ॥
 गि ॥ नि यति कु नृद्वं दृष्टा ॥ ॥ श्रुति ॥ ॐ नृ २ सस्त
 नः ॐ नृ यवति वि ॥ यय नृ व नः ॐ नृ दृष्टा ॥ गायक
 व वली वि न स न य ४ मं श्र ॥ ला क ना थ द्या दि ॥ ॥ ॥ म
 ना रु ना वा द्या आ ग ग्या य द व ॥ स ल नः क नृ स द्या य
 ला य या य ॥ ॥ ॥ लि मा वा ला य ॥ क नृ सः ॥ ॥ लि मा वाः स ग्व

नति व क ॥ गृ नृ रु श ॥ नायकः न कि निः वा य थ कः न
 मिः ना ॥ नि कि ना सः वा का स क न ति व क ॥ सि रु न नृ य ना य
 ला ॥ ॐ नृ ना दि ख मा य स द्वा ॥
 मा क सि र वि य क ॥ क क या य ॥ ॐ न मा व द्वा य ॥ न मा
 थ मा य ॥ न मा ४ स द्या य ॥ म ह नृ म ॥ ना जा वा न द्या दि
 ॐ न मा श्र न न द व वा य क ख य ॥ न व ना स ला रु रु न
 न ॥ लाः ॥ मा नः सा वा वि क का य नाः ॥ ना न न सृ य रु ला

सा वा
 वा क
 वा य













ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीमकसाभिजिनवरा॥ गरुदमासनथाव॥
सामवन॥ नमद॥ ७॥ शालहलिरुत्रवक्रुर्ग
खरनागजख्यसूतागुल॥ वहविभिउवहसव
धलाहन॥ ॐ निवववृधनमाद॥ ६॥ शनदमनि
नधायाशला॥ संक्रु००००००

२॥ ॐ नमगालुववाताय॥ वक्रायनिहं सवालन॥
कोनकावनसुधरिन॥ शखगुनप्रलंदविवक्रायनि
यनमाद॥ ३॥ वातानस्यैखनवाताय॥ वक्रायनि॥ श्रु
सिठकहेतवायमाख्यहस्रतिपुमनागताजाय॥ वक्रवक्रा
यनि॥ श्रीकहेतवाय॥ पुनमामिहं॥ ३॥ माहध्रि॥ विसवा
हान॥ वद्रुमलगुस्ररिन॥ निसूतहनं प्रलंदवि॥ माहध्रि
यनमाद॥ ३॥ कृमाहिरुनवातायमाहध्रिवायदुलाहेतवा

य॥संखया न नागगाजाय॥यूजाय॥मादधलि॥बंदरुलवा
य॥वनमामिह॥ॐ कामात्रिमयस्त्वानन॥रुवनसुखरिह
सगदिह नमन दवि॥कामात्रियनमावृ॥ॐ अर्च॥लोसंख
नवागाय॥कामात्रिकामागा॥कामहेलवाय॥यमनामगाय॥बंदका
लिकमनहेलवाय॥वनमामिह॥ॐ विनुविगतदवाहन॥
सामवनसुखरिह॥गजवर्कद्वनदवि॥वासुवियनमवृ॥
ॐ अयनिखनवागाय॥विसुविउनमवृहेलवाय॥अननना

गगाजाय॥विनुवाउनमवृहेलवाय॥वनमामिह॥ॐ वा
गाहिसलसाशसन॥रुवनसुखरिह॥मृदमागाद्वलप
वि॥वागाहिनमावृ॥ॐ कावनकिखनवागाय॥वागाहिक
यागहेलवायककाठकनागगाजाय॥वागाहिकवागहेलवा
य॥वनमामिह॥ॐ ॐ न्यायनि॥गजवाहन॥कंकमवन॥सु
खरिह॥वृवृरुहनाद्वनदवि॥यिवायनिय॥ममावृ॥

ॐ वरुन हनवा नाय ॥ ॐ वयन त्रुद हेन वाय ॥ क का न वा ॥
 नाग नाशय ॥ ॐ वायनी त्रुद न वाय ॥ वन मा मि हं ॥ ॐ वाम्
 दा त्रुद कार्ता ॥ व द्रुन सञ्ज हान दम त्रुपा दं द्रु न द वि ॥ वाम्
 वायन भा ल ध्या ॥ ॐ वि क भर्त स्य खलु वा नाय ॥ वाम् दा सं द्य
 ल हेन वाय ॥ वाम् कि नाग नाशय ॥ वाम् दा सं द्य ल हेन वाय
 वन मा मि हं ॥ ॐ वि खलु वा ल न समा द्रु न ॥ ॐ रु ॥

ॐ वाम् वायन निगृयि कर्ता ॥ द व
 दा म न का ॥ ॐ वि वा रा ल ॥ ॐ वि या
 वि गृ गृ वृ वि न त्रि द्रु वि द व
 दा म न का ॥ ॐ वि वा रा ल ॥ ॐ वि या



ॐ क ना वाय नाः वि मि थुः ॐ वा न य सा ह्य ॥
 ॐ वृ ना नाय सा ह्य ॥ ॐ व व वा नाय ॥ ॐ स ह्य ॥
 स काः न कि मि नः स व ह्य यः व त्रि सा यः क्वा का

[illegible]

मा गमि रक्का न काय पा द्या अद्य नमः ॐ भू मा
गमितिय साहा ॥ ॐ था गम सलिय साहा ॥ ॐ वनू क
ला त्रिय साहा ॥ ॐ इं जकि निय साहा ॥ यक व वा ल
पु आ ॥ लख ला य के ॥ ॐ कुकु रुडः म हा रु दुः पत्त
दरु स मो सि का कु सु क ता ल कि रु हं नन्दा वि न वि
तो य के ॥ रा मु धा